भारत सरकार

संचार मंत्रालय

दूरसंचार विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 5345

उत्तर देने की तारीख 25 मार्च, 2026

संचार साथी पोर्टल

5345. श्री भोजराज नाग:
श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी:
श्री लुम्बाराम चौधरी:
श्री दुलू महतो:
श्री विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी:
श्री अनूप प्रधान वाल्मीकि:
श्री योगेन्द्र चांदोलिया:
श्री दिलीप शइकीया:
डॉ. मन्ना लाल रावतः
श्री प्रवीण पटेल:
श्री प्रदीप कुमार सिंहः
श्रीमती कमलेश जांगड़े:
श्री अभिमन्यु सेठी:
श्री हरीभाई पटेल:
श्री नव चरण माझी:
श्रीमती स्मिता उदय वाघ:
श्री माधवनेनी रघुनंदन राव:
श्री महेश कश्यप:
श्री चन्द्र प्रकाश जोशी:
डॉ. हेमंत विष्णु सवरा:

क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या वर्ष 2025-26 के दौरान 'संचार साथी' पोर्टल के माध्यम से 47 लाख रुपये से अधिक के खोए या चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट सफलतापूर्वक ब्लॉक किए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्यवार, विशेषकर महाराष्ट्र के जलगांव जिले में ब्यौरा क्या है;
(ख) 'चक्षु' सुविधा ने नागरिकों को व्हाट्सएप के माध्यम से प्राप्त 8.5 लाख से अधिक संदिग्ध धोखाधड़ी वाले संदेशों की रिपोर्ट करने में किस प्रकार सहायता की है;
(ग) यूपीआई सेवा उपयोगकर्ताओं को होने वाली हानि को रोकने में वित्तीय धोखाधड़ी जोखिम संकेतक (एफआरआई) का विशिष्ट प्रभाव क्या है;
(घ) क्या सरकार ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित चेहरे की पहचान करने वाले उपकरणों का उपयोग करके 3 करोड़ से अधिक फर्जी मोबाइल कनेक्शनों को सफलतापूर्वक समाप्त कर दिया है; और
(ङ.) नागरिकों द्वारा वर्ष 2025-26 के दौरान रिपोर्ट किए गए स्थानीय नंबरों के रूप में दिखाई देने वाली अंतर्राष्ट्रीय कॉलों की संख्या कितनी है?

उत्तर
संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर)

(क) दूरसंचार विभाग का संचार साथी पोर्टल (www.sancharsaathi.gov.in) और मोबाइल ऐप नागरिकों को खोए / चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट की रिपोर्ट करने की सुविधा प्रदान करता है। रिपोर्ट किए गए मोबाइल हैंडसेट को भारतीय दूरसंचार नेटवर्क में ब्लॉक कर दिया जाता है। आज तक, महाराष्ट्र और जलगाँव जिले में क्रमशः 5,96,069 और 6,438 मोबाइल हैंडसेट ब्लॉक कर दिए गए हैं।

(ख) संचार साथी की चक्षु सुविधा नागरिकों को कॉल, एसएमएस या व्हाट्सएप के माध्यम से प्राप्त संदिग्ध धोखाधड़ी वाले संचार को रिपोर्ट करने की सुविधा प्रदान करती है। आज तक, नागरिकों ने संचार साथी पर 8.82 लाख संदिग्ध धोखाधड़ी वाले संचार संबंधी इनपुट साझा किए हैं।

(ग) मई 2025 में वित्तीय धोखाधड़ी जोखिम संकेतक (एफआरआई) की शुरुआत के बाद से, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) सेवा प्रदाताओं सहित वित्तीय संस्थानों ने रिपोर्ट किया है कि लेनदेन में गिरावट और नागरिकों को दी गई चेतावनी या सूचनाओं के आधार पर, एफआरआई का उपयोग करके 1,900 करोड़ रुपये से अधिक की संभावित धोखाधड़ी को रोका गया है।

(घ) दूरसंचार विभाग ने अस्त्र विकसित किया है जो एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता और बिग डेटा एनालिटिक्स टूल है जो संदिग्ध मोबाइल कनेक्शनों की पहचान करता है। इस तरह के नंबरों को डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म के माध्यम से दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) के साथ साझा किया जाता है। पुन: सत्यापन में विफल होने के बाद ऐसे 88 लाख से अधिक मोबाइल कनेक्शन काट दिए गए हैं।

(ङ) दूरसंचार विभाग ने इंटरनेशनल इनकमिंग स्पूफ्ड कॉल प्रिवेंशन सिस्टम (सीआईओआर) विकसित किया है जो भारतीय मोबाइल नंबर प्रदर्शित करने वाली इनकमिंग इंटरनेशनल स्पूफ्ड कॉल्स की पहचान करने और उन्हें ब्लॉक करने हेतु एक प्रणाली है जो भारत के भीतर से ही उत्पन्न होती प्रतीत होती है। सीआईओआर ने दिनांक 17.10.2024 को कमीशन किए जाने के बाद से, 24 घंटों में 1.35 करोड़ कॉल्स को ब्लॉक करते हुए उल्लेखनीय परिणाम दिखाए हैं, और इसके परिणामस्वरूप इंडियन कॉलिंग लाइन आइडेंटिफिकेशन के साथ स्पूफ्ड कॉल्स में लगभग 99% की कमी आई है। ऐसे कॉल जो अभी भी अंतर्राष्ट्रीय गेटवे पर आते हैं, उन्हें वहीं ब्लॉक कर दिया जाता है। इस तरह की कॉल्स को ब्लॉक करने के लिए संचयी आंकड़ों का वर्ष-वार रखरखाव नहीं किया जाता है।

***